गाँधी स्टडी सर्कल

कमला नेहरू कॉलेज

रिपोर्ट 2021

कमला नेहरू कॉलेज का गाँधी स्टडी सर्कल उन कार्यक्रमों को आयोिजत करने के लिए संकल्पबद्ध है जो छात्राओं को भविष्य के सकरात्मक बदलाव के निर्माता होने व प्रेरित होने के लिए दिशा प्रदान करें। गाँधी स्टडी सर्कल द्वारा माननीय अतिथियों और वक़्ताओ के साथ

अकादिमक वार्ता और चर्चा आयोजित करने के साथ-साथ अपने समाज की वस्तविकताओ को उजागर करने एवं समाधान के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किया जाते है। गाँधी स्टडी सर्कल, गांधी जी के महान व्यक्तित्व एवं उनके सिद्धांतो के विविध पक्षों को गरिमामयी प्रस्तुति करने के साथ -साथ जीवन में व्यवहारिक रूप से चरितार्थ करने हेतु प्रतिब्धद है।

30 जनवरी 2021 को गाँधी स्टडी सर्कल, कमला नेहरू कॉलेज द्वारा "गाँधी वंदन" का आयोजन किया है। गाँधी वंदन का विषय "बदलते दौर में गाँधी जी की याद" रखा गया। इस अवसर पर प्रोफेसर आशुतोष कुमार (हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) और डॉ. इंदु बघेल (राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) आमंत्रित वक्ता थे। दोनों ही वक्ताओं ने छात्राओं के सभी प्रश्नों का उत्तर दिया जिससे हम सभी को सत्य और अहिंसा का सही अर्थ समझ आया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रा सयोजिका रूपम मिश्रा ने की। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका संयोजिका डॉ. संगीता वर्मा ने किया। अन्य अध्यापक गणों में डॉ. मैत्रीयी कुमारी, डॉ. रजत रानी आर्य, डॉ. कांति मीणा एवं डॉ. सुषमा चौधरी भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में लगभग 70 छात्राओं की उपस्थिती रही।

चरखे का महत्व प्राचीन काल से है। घर की महिलाएं अपनी दैनिक गतिविधि के एक हिस्से के रूप में कपड़ा बुनती थीं। महात्मा गाँधी ने चरखे को उठाकर स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत की और भारतीयों को अपने स्वयं के कपड़े बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। चरखे से बुने गए कपड़े को खादी या खाददार के रूप में जाना जाता है, जिसका अर्थ है कपड़ा। चरखा आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता का प्रतीक बन गया। पहले भारतीय ध्वज मे चरखा स्थापित था। 28 अप्रैल 2021 को गाँधी स्टडी सर्कल द्वारा चरखा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर डॉ. सीता बिम्ब्रॉ आमंत्रित वक्ता थीं। कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चे शामिल हुए।

गाँधी जयंती के अवसर पर, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के गाँधी स्टडी सर्कल ने "गाँधी उत्सव, 2021" का आयोजन किया। कार्यक्रम मे प्रो. श्यौराज सिहं बेचेन', विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्ववद्यालय और 'डॉ भूपेन्द्र

सिहं', प्राचार्य गाँधी स्मारक डिग्री कॉलेज, एमजेपीआर विश्वविद्यालय, बरेली आमंत्रित वक्ता थे। उनके द्वारा हमें प्रेरणादायक और सूचनात्मक व्याख्यान सुनने का अवसर प्राप्त हुआ । हमारे कार्यक्रम में ऐसी महान हस्ती की उपस्थित होना, वास्तव में बहुत खुशी की बात थी । उनके माध्यम से हमने गाँधीवादी मूल्यो के बारे में गहराई से जाना। कार्यक्रम का प्रबधंन और संचालन शिक्षक संयोजिका 'डॉ संगीता वर्मा ' ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रा संयोजका अनन्या पाण्डेय ने की। कार्यक्रम का समापन छात्रा सह संयोजिका खुशी अग्रवाल द्वारा किया गया। व्याख्यानों के अंत में गाँधी स्टडी सर्कल द्वारा आयोजित पिछले कई वर्षों के गाँधी उत्सव के ऊपर बनाए गए बेहद खूबसूरत व यादगार वीडियो के साथ किया गया। कार्यक्रम में 60-70 छात्राएं हमारे साथ जुड़ी थी। यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी और इसने दर्शको को अत्यधिक प्रेरित किया और राष्ट्र के लिए देशभक्ति की भावना को भी जागृत किया।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गांधी स्टडी सर्कल ने नवागंतुक सदस्यों के लिए महामारी को ध्यान में रखते हुए,15 दिसंबर 2021 को गूगल मीट पर दोपहर 1 बजे से ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्टूडेंट कन्वेनर अनन्या पाण्डेय द्वारा किया गया। तत्पश्चात् शिक्षक संयोजिका डॉ. संगीता वर्मा जी ने नए सदस्यों को गांधी स्टडी सर्कल के बारे में जानकारी दी। उसके बाद स्टूडेंट कोकन्वेनर खुशी अग्रवाल ने अपना परिचय दिया। सभी नए सदस्यों ने कार्यक्रम में काफी उत्साह और उत्सुकता से भाग लिया और अपने मन में जीएससी से जुड़े कई प्रश्न भी पूछे जिसका हमारी समिति के कोर सद्स्यों ने बड़ी सहजता से उचित उत्तर दिया और जीएससी के पिछले सालों की उपलब्धियों से भी अवगत कराया और अपने अनुभवों को भी साझा किया। कार्यक्रम में लगभग 50 छात्राएं हमारे साथ जुड़ी । अतः गांधी स्टडी सर्कल का ओरियंटेशन कार्यक्रम बहुत ही सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

अधिक जानकारी के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों को संपर्क करें :-

डॉ. संगीता वर्मा

(शिक्षक संयोजिका)

अनन्या पाण्डेय

(छात्रा सयोजिका)

खुशी

(छात्रा उपसयोजिका)

या हमारे सोशल मीडिया हैंडल पर हमें फॉलो करें:

इंस्टाग्राम

https://instagram.com/gsc.knc

फेसबुक

https://www.facebook.com/GSCKNC/